बुमराह, रुट सहित चार खिलाड़ी आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर के लिए नामांकित

दुबई

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर के लिए नामांकित किया गया है। बुमराह के अलावा इस पुरस्कार की दौड़ में ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड और इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट और हैरी ब्रुक भी हैं। बुमराह ने टी20 विश्वकप के आठ मैचों में 15 विकेट लिए, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में लिए दो विकेट भी शामिल हैं, जिससे भारतीय टीम 2024 टी20 विश्व कप में अपराजेय रही है।

बुमराह ने 13 टेस्ट मैचों में 71 विकेट लेकर टेस्ट प्रारुप में भी शानदार रिकार्ड बनाया है। ऑस्ट्रेलिया में चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बुमराह 12.83 की औसत से 30 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में सबसे आगे हैं। उन्होंने 200 टेस्ट विकेट भी पूरे किये हैं। वह 20 से कम औसत के साथ यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले गेंदबाज हैं।

वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड ने भी सभी प्रारूपों में अच्छा प्रदर्शन किय है। 2023 आईसीसी विश्व कप फाइनल के बाद से ही हेड जबरदस्त फॉर्म में हैं। उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप में सात पारियों में 255 रन बनाये थे। इसके अलावा टेस्ट प्रारुप की बात करें तो मौजूदा बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी बने हैं।

वहीं इंग्लैंड के प्रमुख बल्लेबाज रूट भी पुरस्कार की दौड़ में शामिल हैं। रुट ने 17 टेस्ट में 55.57 की औसत से 1556 रन बनाए हैं। इससे पहले साल 2021 में उन्होंने 1708 रन बनाये थे। छह टेस्ट शतकों और पांच अर्द्धशतकों के साथ, रूट भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ के साथ टेस्ट में संयुक्त रूप से पांचवें सबसे ज्यादा 36 शतक बनाने वाला बल्लेबाज बने हैं। रूट ने भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चार विकेट भी लिए हैं। इंग्लैंड के ही युवा क्रिकेट हैरी ब्रूक भी साल के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल हैं। हैरी ने ने 12 टेस्ट में 55 की औसत से 1100 रन बनाए, जिसमें तीन अर्द्धशतक और चार शतक शामिल हैं। जिसमें एक तिहरा शतक भी है।

न्यूज ब्रीफ

फुटबॉलः लिवरपूल के साथ नए अनुबंध से दूर हैं मोहम्मद सलाह

लंदन। लिवरपूल के फॉरवर्ड मोहम्मद सलाह का कहना है कि वह अपनी टीम को प्रीमियर लीग का खिताब जीतने में मदद करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, लेकिन मानते हैं कि वह अभी भी एक नया अनुबंध करने से दूर हैं। मिस्र के इस खिलाड़ी ने सीजन का अपना 20वां गोल किया और रविवार को वेस्ट हैम के खिलाफ लिवरपूल की 5-0 की जीत में कोडी गाकपो को दूसरा गोल करने में मदद की, जिससे वे अंक तालिका में शीर्ष पर आठ अंकों की बढ़त बना सके। हालांकि, जून के अंत में उनका अनुबंध समाप्त होने वाला है, लेकिन सलाह ने अभी तक एक नए अनुबंध के लिए सहमति नहीं दी है और जब खेल के बाद टीवी साक्षात्कार में उनके भविष्य के बारे में पूछा गया, तो मिस्र के फॉरवर्ड ने स्वीकार किया कि वह और क्लब अभी भी उससे बहुत दूर हैं। सलाह ने कहा, मैं मीडिया में कुछ भी नहीं बताना चाहता...मेरे दिमाग में बस यही बात है कि मैं चाहता हूं कि लिवरपूल लीग जीते और मैं उसका हिस्सा बनना चाहता हूं। मैं टीम को ट्रॉफी जिताने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। कुछ अन्य टीमें भी हमसे आगे निकल रही हैं और हमें अपना ध्यान केंद्रित रखना होगा और विनम्र होकर फिर से आगे बढ़ना होगा। सलाह अच्छी फॉर्म मे हैं, क्योंकि लिवरपूल ने अपना शानदार सीजन जारी रखा और रविवार को वेस्ट हैम यूनाइटेड के खिलाफ 5-0 की जीत के साथ प्रीमियर लीग के शीर्ष पर अपनी बढ़त मजबूत की।

एसी मिलान के नए मुख्य कोच नियुक्त हुए कोन्सेइकाओ

रोम। इतालवी सीरी ए क्लब एसी मिलान ने सोमवार को सर्जियो कोन्सेइकाओ को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। यह नियुक्ति उनके पुर्तगाली हमवतन पाउलो फोंसेका के पद छोड़ने के कुछ घंटों बाद की गई है। रोमा के पूर्व कोच फोंसेका ने इस ग्रीष्मकाल में क्लब के कोच का पद संभाला था, लेकिन उनकी टीम की असंगतता के लिए आलोचना की गई थी, क्योंकि एसी मिलान एक मैच शेष रहते लीग में केवल आठवें स्थान पर है, जबकि सात बार के चैम्पियंस लीग विजेता ने यूरोपीय शीर्ष अभियान की शुरुआत लगातार दो हार के साथ की थी, लेकिन अब वह लगातार चार जीत के साथ लय में है। इटली के कुछ आउटलेट्स के अनुसार, क्लब ने रविवार को रोमा के साथ एसी मिलान के सीरी ए गेम के शुरू होने से पहले ही यह निर्णय ले लिया था, जो अंततः 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ। कोन्सेइकाओ ने पोर्टो की बेंच पर सात सीजन के साथ अपना कोचिंग स्पेल शुरू करने से पहले, एक पेशेवर के रूप में लाजियो और इंटर मिलान के लिए खेला था। 50 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने नए क्लब के साथ जून 2026 तक का करार किया है और वह शुक्रवार को जुवेंटस के साथ सुपरकोपा इटालियाना के सेमीफाइनल में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। दिलचस्प बात यह है कि कोन्सेइकाओ के बेटे फ्रांसिस्को बियानकोनेरी की टीम में हैं।

महिला विश्व ब्लिट्ज़ चैंपियनशिप 2024: वैशाली ने नॉकआउट चरण के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली। ग्रैंडमास्टर आर. वैशाली ने मंगलवार को बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूयॉर्क में अपने पहले 10 मैचों में से आठ जीतकर महिला विश्व ब्लिट्ज़ चैम्पियनशिप 2024 के नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई कर लिया है। वैशाली दूसरे चरण के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र भारतीय भी थीं, क्योंकि हाल ही में विश्व रैपिड चैंपियन बनी कोनेरू हम्पी शीर्ष आठ में जगह बनाने से चूक गईं और 8.0/11 के साथ नौवें स्थान पर रहीं। चीन की लेई टिंगजी को छोड़कर, जो 8.5 अंकों के साथ वैशाली के बाद दूसरे स्थान पर रहीं, अन्य सभी योग्य खिलाड़ियों को हम्पी के बराबर अंक मिले। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी का टाईब्रेक सबसे खराब रहा, जिसके कारण वह क्वालीफिकेशन स्पॉट से बाहर हो गईं। दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल और हरिका द्रोणावल्ली 11 राउंड में सात-सात अंक लेकर क्रमशः 18वें, 19वें और 22वें स्थान पर रहीं।

दिग्गज भारतीय फुटबॉलर सुनील छेत्री ने दो दशक के शानदार करियर के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को कहा अलविदा

नई दिल्ली

भारतीय फुटबॉल के ध्वजवाहक सुनील छेत्री ने 2024 में अपने संन्यास की घोषणा की और दो दशकों से अधिक लंबे करियर को अलविदा कह दिया। भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखने वाले एक विनम्र लड़के से लेकर देश के सर्वकालिक सर्वोच्च स्कोरर और इसके सबसे सम्मानित फुटबॉल आइकन में से एक बनने तक, छेत्री की सर्वव्यापी सफलता वास्तव में उल्लेखनीय है।

छेत्री ने 2002 में मोहन बागान के लिए अपना पेशेवर पदार्पण किया, जहाँ वे 2005 तक खेले और 18 मैचों में आठ गोल किए। हालाँकि शुरुआती साल चुनौतीपूर्ण थे, लेकिन उनकी प्रतिभा ने जल्द ही भारत भर के बड़े क्लबों का ध्यान आकर्षित किया। पिछले कुछ सालों में, छेत्री ने जेसीटी (2005-08), ईस्ट बंगाल (2008-09), डेम्पो एफसी (2009-10), चिराग यूनाइटेड (2011), मोहन बागान (2011-12), चर्चिल ब्रदर्स (2013 लोन पर), बेंगलुरु एफसी (2013-15, 2016-वर्तमान) के लिए खेला और भारतीय क्लब फ़ुटबॉल में एक घरेलू नाम बन गए।

कुल मिलाकर, छेत्री ने अपने पूरे करियर में 365 क्लब मैचों में 158 गोल किए हैं।

उनकी अंतरराष्ट्रीय यात्रा 2005 में शुरू हुई, जब उन्होंने भारत के लिए पदार्पण किया और अपना पहला गोल किया। छेत्री का करियर 2008 एएफसी चैलेंज कप में एक उच्च बिंदु पर पहुंच गया, जहां ताजिकिस्तान के खिलाफ उनकी हैट्रिक ने 2011 एएफसी एशियाई कप के लिए भारत की योग्यता सुनिश्चित की। छेत्री ने विदेश में भी काम किया, 2010 में यूएसए के मेजर लीग सॉकर क्लब कैनसस सिटी विजार्ड्स और 2012-13 में पुर्तगाली क्लब स्पोर्टिंग सीपी के लिए खेला। इन अनुभवों ने उनके खेल को निखारने में मदद की और उन्हें अधिक बहुमुखी स्ट्राइकर बनाया।

भारतीय राष्ट्रीय टीम के कप्तान के रूप में, छेत्री के नेतृत्व कौशल ने खूब चमक बिखेरी। उनकी कप्तानी में, भारत ने वह अनुभव किया जिसे अब देश में आधुनिक फुटबॉल का स्वर्ण युग माना जाता है, जिसमें कई सैफ चैंपियनशिप और इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीते गए। उनके निर्णायक क्षणों में से एक 2018 इंटरकॉन्टिनेंटल कप के दौरान आया, जहाँ उन्होंने सोशल मीडिया का उपयोग करके अधिक से अधिक प्रशंसकों का समर्थन प्राप्त करने की अपील की, सफलतापूर्वक हज़ारों लोगों को स्टेडियम में लाया और भारतीय फुटबॉल में रुचि बढ़ाई।

छेत्री ने 150 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 94 गोल किए हैं, जिससे वह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में चौथे सबसे ज़्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वह केवल लियोनेल मेसी (180 मैचों में 106 गोल) और क्रिस्टियानो रोनाल्डो (205 मैचों में 128 गोल) जैसे दिग्गजों से पीछे हैं।

अपने क्लब करियर में, छेत्री ने आई-लीग (डेम्पो के साथ 2009-10 और चर्चिल ब्रदर्स के साथ 2012-13) सहित कई पुरस्कार जीते, साथ ही बेंगलुरु एफसी के साथ भी कई खिताब जीते, जिनमें आई-लीग (2013-14, 2015-16), इंडियन सुपर लीग (2018-19), फेडरेशन कप (2014-15, 2016-17), सुपर कप (2018), और डूरंड कप (2022) शामिल हैं।

छेत्री को प्रतिष्ठित अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) प्लेयर ऑफ द ईयर के खिताब से सात बार (2007, 2011, 2013, 2014, 2017, 2018-19, 2021-22) और एफपीएआई इंडियन प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार से तीन बार (2009, 2018, 2019) सम्मानित किया गया है। उन्हें अर्जुन पुरस्कार (2011) और खेल रत्न पुरस्कार (2021) से सम्मानित किया जा चुका है, जो भारत का सर्वोच्च खेल सम्मान है। उनके नेतृत्व में, भारत 2018 के बाद पहली बार 2023 में फीफा रैंकिंग में शीर्ष 100 में पहुंचा।

छेत्री की यात्रा न केवल एक फुटबॉल स्टार की है, बल्कि अगली पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा भी है, जो यह साबित करती है कि अथक समर्पण और कड़ी मेहनत से क्या हासिल किया जा सकता है।

एक कैलेंडर वर्ष में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बने यशस्वी जयसवाल

नई दिल्ली

भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल एक कैलेंडर वर्ष में भारत के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सोमवार को यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच चौथे टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन हासिल की। जयसवाल ने दूसरी पारी में 340 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 208 गेंदों पर 84 रनों की पारी खेली, जिसमें उन्होंने आठ चौके लगाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 40.38 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। इस पारी के साथ ही खब्बू बल्लेबाज ने एक कैलेंडर वर्ष में 1478 रन पूरे कर लिए।

इस उपलब्धि को हासिल करने वाले अन्य भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने 2010 में 1562 रन बनाए थे, सुनील गावस्कर ने 1979 में 1555 रन बनाए थे और वीरेंद्र सहवाग ने 2008 और 2010 में क्रमशः 1462 और 1422 रन बनाए थे। हालांकि यशस्वी जयसवाल की यह मैराथन पारी काम न आई और ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 184 रनों से जीत कर पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली। दोनों टीमो के बीच पांचवां और आखिरी टेस्ट 3 जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा।

कमिंस ने हेड के जश्न को मजाक से ज्यादा नहीं बताया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड ने बाक्सिंग डे टेस्ट के अंतिम दिन भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का विकेट लेने के बाद अजीब तरीके से जश्न मनाया था। जिसके बाद से ही हेड के जश्न को लेकर सवाल उठ रहे थे। अब उसी जश्न का मतलब ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने बताया है। कमिंस ने मैच के बाद कहा कि मैंने उसका जश्न नहीं देखा पर ये एक मजाक भर था। उसकी उंगली इतनी गर्म है कि उसे बर्फ के कप में डालना पड़ा। यही वह जश्न से संकत दे रहा था। गाबा या कहीं और उसे एक विकेट मिला और वह सीधे फ्रिज के पास गया, बर्फ की एक बाल्टी उठाई, अपनी उंगली उसमें डाली और स्पिनर नाथन लियोन के सामने चला गया।

प्रीमियर लीग फुटबॉल

ब्रिटेन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में इपसविक टाउन और चेलेसा के बीच मैच में खेलते हुए खिलाड़ी।

खो खो विश्व कप 2025 का शेड्यूल जारी, पहले मैच में 13 जनवरी को भारत का सामना नेपाल से

नई दिल्ली

खो खो विश्व कप 2025 का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। विश्व कप की शुरुआत 13 जनवरी 2025 को भारत और नेपाल के बीच इन्दिरा गाँधी इंडोर स्टेडियम में शाम 7 बजे से होगी।

खो खो वर्ल्ड कप आयोजन समिति के चेयरमैन सुधांशु मित्तल ने बताया की महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले 19 जनवरी को शाम 7 बजे और पुरुष वर्ग के फाइनल मुकाबले 19 जनवरी को शाम 8.15 बजे इन्दिरा गाँधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किये जायेंगे।

पुरुष और महिला टीमों को चार चार वर्गों में बांटा गया है। पुरुष वर्ग के ए ग्रुप में भारत, नेपाल, पेरू, ब्राज़ील और भूटान को रखा गया है। ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, घाना,

अर्जेंटीना, नीदरलैंड और ईरान को रखा गया है।

ग्रुप सी में बांग्लादेश, श्रीलंका, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और पोलैंड को ग्रुप सी में रखा गया है, जबकि इंग्लैंड, जर्मनी, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया और केन्या ग्रुप डी में है।

महिला वर्ग में भारत, ईरान, मलेशिया और दक्षिण कोरिया ग्रुप ए में हैं। ग्रुप बी में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, केन्या, युगांडा और नीदरलैंड की टीमें हैं, जबकि ग्रुप सी में नेपाल, भूटान भूटान ,श्रीलंका, जर्मनी और बांग्लादेश हैं। दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, पोलैंड ,पेरू और इंडोनेशिया ग्रुप डी में है। टूर्नामेंट में कुल 90 मैच होंगे।

दोनों वर्गों के क्वार्टर फाइनल मुकाबले 17 जनवरी को खेले जाएंगे। सेमीफाइनल मुकाबले 18 जनवरी को और फाइनल 19 जनवरी को होंगे।

वर्ष 2024 की चार सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर राचेल हेहो फ्लिंट ट्रॉफी के लिए नामित

दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को चार सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटरों को राचेल हेहो फ्लिंट ट्रॉफी के लिए नामांकित किया है। इन चार महिला क्रिकेटरों में तीन ऑलराउंडर और एक बल्लेबाज शामिल है।

चार नामांकित खिलाड़ियों में एक दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ड्ट हैं, जिन्होंने एक वर्ष कैलेंडर में असाधारण प्रदर्शन किया है। उन्होंने सभी प्रारूपों की कप्तान के रूप में आगे बढ़कर नेतृत्व किया और लगातार बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया। वोल्वार्ड्ट ने एकदिवसीय में उन्होंने 87.12 की औसत से 697 रन बनाए, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 184* था। जबकि टेस्ट में उन्होंने 37.16 की

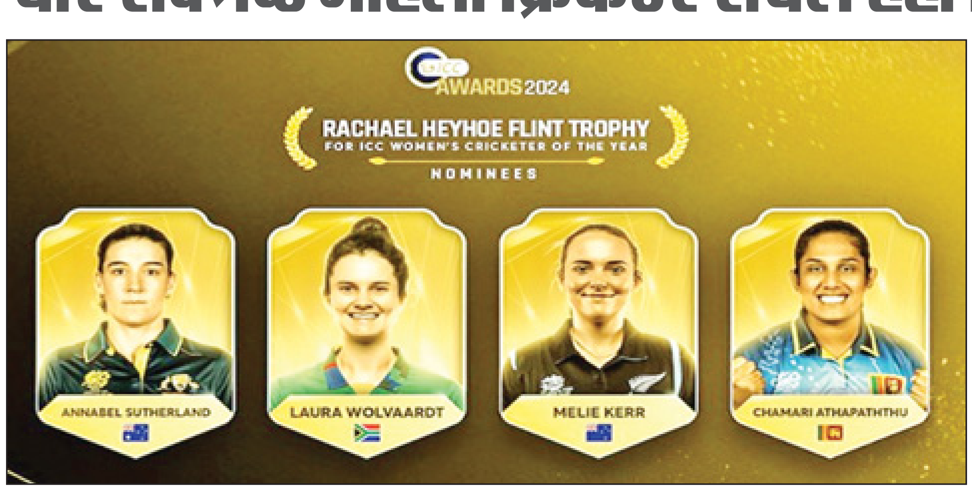

औसत से 223 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 122 था। टी20 में उनका प्रदर्शन भी उतना ही प्रभावशाली रहा। 39.58 की औसत से 673 रन बनाए, जिसमें 102 का उच्चतम स्कोर भी शामिल है।

वहीं, श्रीलंका की सभी प्रारूपों की कप्तान चमारी अथापथु के लिए बल्ले और गेंद दोनों से यह वर्ष असाधारण रहा। उन्होंने नौ वनडे मैचों में 65.42 की औसत से 458 रन बनाए, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 195 रहा और उन्होंने 9 विकेट भी लिए। ञ्20 में उन्होंने 40 की औसत से 720 रन बनाए और 21 विकेट लिए। पोटचेफस्ट्रूम में एकदिवसीय मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अथापत्थू की नाबाद 195 रन की पारी खेली थी, जो महिला वनडे इतिहास में तीसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बन गया। इसके अतिरिक्त, वह जुलाई में महिला एशिया कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहीं, जिससे श्रीलंका ने 304 रन और तीन विकेट के साथ अपना पहला खिताब जीता।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एनाबेल सदरलैंड ने खुद को 50 ओवर के प्रारूप में प्रमुख ऑलराउंडरों में से एक के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने एक टेस्ट मैच में 210 के उच्चतम स्कोर के साथ 210 रन बनाए और 5 विकेट लिए। वनडे में उन्होंने 52.71 की औसत से 369 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 110 रहा और उन्होंने 13 विकेट लिए हैं। न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर मेली केर ने इस कैलेंडर वर्ष में अपने प्रदर्शन से टीम के लिए कई रिकॉर्ड कायम किए। जिसमें न्यूजीलैंड को पहली बार महिला टी20 विश्व कप का खिताब दिलाना और एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक महिला टी20 विकेट लेने का राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित करना प्रमुख है। उन्होंने नौ वनडे मैचों में 33 की औसत से 264 रन बनाए और 14 विकेट लिए। वहीं, उन्होंने 24.18 की औसत से 387 रन बनाए और 29 विकेट लिए।